DPL–04

December – Examination 2020

Diploma in Prakrit Language Examination

पाण्डुलिपि विज्ञान एवं प्राकृत पाण्डुलिपियाँ

Paper : DPL-04

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Note :– The question paper is divided into two Sections A and B. Write answers as per the given instructions.

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section–A **10×2=20**

(Very Short Answer Type Questions)

Note :– Answer all questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 2 marks.

खण्ड—अ

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) पाण्डुलिपि किसे कहा जाता है ?

   (ii) डिप्लोमैटिक्स क्या है ?

   (iii) लिपिकार कितने प्रकार के माने गए हैं ?

   (iv) 'प्राकृत साहित्य स्तबक' किसकी रचना है ?

   (v) संजय संग्रहालय किस राज्य के किस शहर में स्थित है ?

   (vi) अनुसन्धानकर्त्ता कितने प्रकार के होते हैं ?

   (vii) प्राकृत के किस महाकाव्य को दशमुखवध कहा जाता है ?

   (viii) लिप्यासन किसे कहते हैं ?

   (ix) चर्मपत्रीय पाण्डुलिपि किस प्रकार की पाण्डुलिपि मानी गयी है ?

   (x) लुप्ताक्षरी शब्द किसे कहते है ?

Section–B 4×20=80

(Short Answer Type Questions)

Note :– Answer any *four* questions. Each answer should not exceed **200** words. Each question carries 20 marks.

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. पाण्डुलिपि विज्ञान की वर्तमान में क्या आवश्यकता है ? स्पष्ट कीजिए।

3. लिपिकर्त्ता के गुणों पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

4. लेखन प्रक्रिया–पूर्व तैयारी की संक्षिप्त समीक्षा कीजिए।

5. अलंकरण पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

6. पाण्डुलिपि के अन्तरंग विवरण का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. चित्र सज्जा के आधार पर पाण्डुलिपि को स्पष्ट कीजिए।

8. ब्राह्मी लिपि को स्पष्ट कीजिए।

9. पाण्डुलिपि के काल निर्णय में उत्पन्न होने वाली समस्याओं को संक्षेप में समझाइये।